विशिष्टताएं/उपलब्धियां वर्ष – 2012–13

जून 2012

टेलीकॉम

1. अजमेर मंडल एवं जयपुर मंडल के मध्य उपलब्ध सभी हॉट लाईन को कॉपर वायर से ओएफसी पर, अजमेर तथा जयपुर मुख्यालय पर पीडीमक्स लगाकर शिफ्ट कर दिया गया है।
2. अजमेर लोकल क्षेत्र में 11 एफओआईएस डाटा चैनल को कॉपर वायर से ओएफसी पर शिफ्ट कर दिया गया है।
3. यूटीएस/पीआरएस के लिए रूपाहेली से सरेरी और सिरोही रोड से सिरोही सिटी के मध्य अतिरिक्त चैनल लेकर रूट डॉयवर्सिटी उपलब्ध करा दी गई है।
4. आबूरोड के निरन्तर खराब होने वाले तथा पुराने एक्सचैंज को अजमेर मंडल के रिलीज्ड एक्सचैंज से बदल दिया गया है।
5. वीडियों ट्रांसमिशन लॉसेज को न्यूनतम करने के लिए वीसैट एमपीएलएस चैनल को ओएफसी पर मंडल कार्यालय तक बढ़ा दिया गया है।
6. मंडल एक्सचैंज के 18 उपभोक्तओं को आईपी–डीस्लैम कनेक्शन उपलब्ध करा दिये गये है।
7. मंडल रेल प्रबंधक परिसर की परिधि विभिन्न डाटा सर्किटों के लिए बैंड विर्थ उपलब्धता बढ़ाने के लिए जीएलओ एक्सचेंज में अतिरिक्त एसटीएम–1 लगाया गया।
8. चैनल उपलब्धता/पूर्ण प्रणाली विश्वस्तता को बढ़ाने हेतु राउटर आधारित मल्टी पाथ कनेक्टीबिटी लगाकर मक्स आधारित एनआरएच को सिरोही सिटी, माउंट आबू, अंबाजी मंदिर और सुमेरपुर पर अप ग्रेडेड कर दिया गया है।
9. सुरक्षित पथ पर चैनलों के प्रयोग द्वारा यूटीएस/पीआरएस सर्किटों को एसटीएम–1 से राजभाषा–4 पर स्थानान्तरित किया गया।
10. अजमेर के मंडल कार्यालय, अजमेर वर्कशॉप रेलवे अस्पताल और भंडार विभाग पर रेल नेट कनेक्टीविटी के विस्तार में उत्कृष्ट निष्पादन करने के लिए महाप्र/उपरे महोदय द्वारा नकद पुरस्कार भी दिया गया।
11. आबूरोड पर आईपी डीएसएलएम पाइलेट परियोजना के कार्यान्वयन हेतु महाप्रबंधक, उपरे महोदय द्वारा नकद पुरस्कार दिया गया।
12. अजमेर पर अजमेर वर्कशॉप, रेलवे अस्पताल और भंडार विभाग के लिए रेलनेट बैंडविर्थ को 10एमबीपीएस तक अप ग्रेडेड किया गया।
13. मंडल से वेब एक्सेस को अजमेर मंडल की रेलनेट एलएएन कनैक्टीविटी 2एमबीपीएस से 20 एमबीपीएस तक अप ग्रेंडेड कर दी गई है।
14. उपरे का पहला डी एसएलएम आबूरोड पर लगाया गया जो पाइलेट परियोजना के जैसे सिएवंदूसं/उपरे के द्वारा तय लक्ष्य के अंतर्गत होगा और इस प्रणाली द्वारा आबूरोड पर 08 रेलनेट कनेक्शन लगाए गए।

15. यूटीएस हेतु पुष्कर सहित पूरे मंडल पर 11 स्थानों पर वी सेट लगाए गए। इस प्रकार पूरे मंडल पर 100 प्रतिशत यूटीएस लगे हुए हैं।
16. अजमेर मंडल के विभिन्न स्थानों पर 79 अतिरिक्त रेलनेट नोडस लगाई गई है।
17. नियंत्रण क्षमता को बढ़ाने हेतु अजमेर मंडल के मंडल नियंत्रण कार्यालय में अलग इंटरकॉम लगाए गए।
18. अंतर मंडल एक्सचेंज कनेक्टीविटी को बढ़ाने हेतु अजमेर –जयपुर, अजमेर जोधपुर और अजमेर –बीकानेर पर पीआरआई कनैक्टीविटी की गई।
19. जयपुर, बीकानेर और जोधपुर मंडल को इनकी अंतरमंडलीय एक्सचेंज कनेक्टीविटी निष्पादन को बढ़ाने हेतु अजमेर मंडल ने इन्हें एक्सचेंज के विभिन्न कार्डस की आपूर्ति की है।
20. अजमेर स्टेशन पर गाड़ियों के आगमन प्रस्थान को प्रदर्शित करने हेतु 06 एलसीडी मॉनीटर लगाए गए है।
21. शांतिवन और सुमेरपुर पर नये एनआरएच जीआरएस लोकेशंस प्रारंभ किए गए।
22. फालना, रानी और उदयपुर के पूछताछ पर एसटीएस कनेक्टीविटी की गई है।
23. पश्चिम रेलवे लिंक पर अजमेर –नई दिल्ली और आबूरोड – पालनपुर के बीच 2एमबीपीएस डाटा लिंक कनेक्टीविटी के द्वारा मंडल के समस्त फॉयस स्थान के लिए रूट विभाजन बढ़ा दिया गया है।
24. भीलवाड़ा पर लगे टीएमएस और मारवाड़ जं. के सीएमएस मारवाड़ –आबूरोड के बीच वैकल्पिक चैनल 2एमबीपीएस के साथ बैंडविर्थ 2 एमबीपीएस एसटीएम–4 के साथ अप ग्रेडेड किये गये।
25. वर्ष के दौरान लोको पायलट और गार्ड को दिये गये 10 वॉकी–टॉकी की मरम्मत की गई।
26. फालना, जवाईबांध और सिरोही रोड के यूटीएस की कनैक्टीविटी को सस्टेमा के रात्रि डयूटी के दौरान बढ़ा दी गई है।
27. अजमेर मंडल के (अजमेर, मारवाड़ जं., आबूरोड और उदयपुर सिटी) 4 स्टेशनों पर मल्टी लाइन डिस्प्ले को 5 अंकों के गाड़ी नंबर हेतु अपग्रेड कर दिया गया है और रानी,फालना और उदयपुर सिटी पर कोच निर्देशिका बोर्ड को 5 अंकों की गाड़ी वाली संख्या में अपग्रेड किया गया।
28. टीआरसी अजमेर पर प्रारंभ ओएफसी लिंक के लिए पोर्टो केबिनों पर लगे एसएमपीएस के एसएमआरएस की मरम्मत की नई गतिविधि और इस वर्ष 67 की संख्या में एसएमआरएस की मरम्मत की गई।
29. मदार पालनपुर सेक्शन में पोर्टो केबिन पर मुफ्त अर्थ रखरखाव करके मदार–पालनपुर सेक्शन में 64 स्थानों पर अर्थिंग प्रबंध सुधारा गया।
30. बैकअप में सुधार हेतु आबूरोड और अजमेर अस्पताल एक्सचेंज पर 2वी/800एएच बैटरी बैक लगाए गए।
31. पश्चिम रेलवे से पालनपुर पर इआई पोर्ट को प्रबंध करके पीएनयू नियंत्रण फोन (मारवाड़ जं. –पालनपुर नियंत्रण बोर्ड) को ओएफसी कर दिया और इसी प्रकार पालनपुर पर नया एमयूएक्स लगाया गया। मदार –पालनपुर नियंत्रण बोर्ड के लिए पालनपुर के ओएफसी पर अतिरिक्त रेडियो पैच लगाया गया।

32. उदयपुर के प्लेटफार्म नं. 2 पर और आबूरोड के प्लेटफार्म नं. 3 पर विभागावार कोच मार्गदर्शन प्रणाली लगाई गई।
33. अजमेर/उदयपुर क्षेप्रसं के बीच अंतर एक्सचेंज कनेक्टीविटी अतिरिक्त सर्किटों को अपग्रेड उसकी पहुॅच में वृद्धि हेतु किया गया है।
34. अजमेर क्षेत्र पर पुराने टूटे–फूटे फोन के बदले में नये 850 सीएलआई फोन लगाए गए और रेलवे फोन के निष्पादन बढ़ाने हेतु अजमेर और उदयपुर पर 91 रेलवे टेलीफोन लगाए गए।
35. 2000 केबल कोर्स की जोड़ी और ओएफसी मुख्य उपकरण विभागावार पुराने एक्सचेंज भवन से नए एक्सचेंज भवन में शिफ्ट किए गए और अजमेर के स्थानीय क्षेत्र में 62 संख्या में टेलीकॉम केबल टर्मिनेशन बॉक्स भी लगाए गए।
36. महाप्रबंधक महोदय के आदेश के संदर्भ में जन घोषणा प्रणाली सुविधा राणाप्रतापनगर स्टेशन पर विभागावार उपलब्ध करा दी गई है और यही सुविधा ब्यावर, सोजतरोड, रानी, फालना, जवाईबांध , सिरोहीरोड, नसीराबाद और भीलवाड़ा के प्रत्येक एक प्लेटफार्म पर बढ़ा दी गई है।
37. नवीनतम माअअसं वर्गीकरण के अनुसरण में रेलवे बोर्ड के हाल ही के निर्देशानुसार अजमेर नियंत्रण कार्यालय के वाणी लॉगर को अपग्रेड कर दिया गया है।
38. आबूरोड के सामूदायिक भवन में विभागावार नई जन सूचना प्रणाली पद्वति लगाई गई है।

सिगनल

जून 2012

1. फॉल्ट कन्ट्रोल कार्यालय में लगे डाटा लॉगर पर 50 स्टेशनों के लिए पॉईंट रिवर्सल लॉजिक लगा दिये गये हैं।
2. मदार से पालनपुर सैक्शन में (मारवाड जं. और आबूरोड आर आर आई को छोडकर) सभी स्टेशनों पर पैनल इंडीकेशन के लिए इनर्वटर सप्लाई उपलब्ध करा दी गई है।
3. सुरक्षित संचालन के लिए आबूरोड पर उपलब्ध ट्रैक सर्किट नं. 116 टी को दो ट्रेक सर्किट में बांट दिया गया है।
4. पॉईंट मशीनों की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए दौराई के पॉईंट नं. 017 और 136 पर उपलब्ध दो पुरानी घिसी हुई पॉईंट मशीनों को नई आईआरएस टाईप मशीनों से बदल दिया गया है।
5. सिगनल पॉवर सप्लाई की बैकअप क्षमता बढ़ाने के लिए 74 अवधिपार/खराब सहायक बैटरियेां को बदल दिया गया है।(70 बैटरी 4 वोल्ट/12 ए एच (सोजत–भैंसाना, सोजत–बगडीनगर, धारेश्वर से मारवाड जं., धारेश्वर से भैंसाना, बगडी सज्जनपुर से बगडीनगर, और मारवाड जं. से धारेश्वर ब्लॉक सैक्शन तथा 4 बैटरी 4 वोल्ट/40 ए एच हरिपुर स्टेशन पर)
6. 5 स्टेशनों पर 7 खराब ज्वाइंट (किवरली–1, मोरथला–1, मावल–2, सरोत्रा रोड–1, चित्रासनी–02) बदल दिये गये हैं।
7. 8 स्टेशनों (स्वरूपगंज, घोसुण्डा, पांडोली, कपासन, भूपालसागर, फतेहनगर, भीमल और खेमली) पर एसएसडीएसी अर्थ जीआई वॉयर को 6 कोर सिगनैलिंग केबल से बदल दिया गया है।
8. अजमेर–चित्तौडगढ़ सैक्शन के 7 ब्लॉक सैक्शनों (मांडल–धुवाला, धुवाला–लाम्बिया, लाम्बिया–रायलारोड, रायलारोड–सरेरी, सरेरी–रूपाहेली, रूपाहेली–विजयनगर और विजयनगर–मोखमपुरा) पर बीपीएसी शुरू कर दिया गया है।
9. 72 पुराने/खराब पॉईंट इन्सूलेशन सैट को बदल दिया गया है।
10. अजमेर–चित्तौडगढ़ सैक्शन के लेवल क्रॉसिंग गेट नं. 42 बी और 77 बी पर नया आईपीएस शुरू कर दिया गया है।
11. अस्पताल एक्सचैज, अजमेर के बैटरी बैंक को नई बैटरियाँ उपलब्ध करा दी गई हैं।
12. मदार–पालनपुर सैक्शन की पोटा केबिन पर 7 अर्थ उपलब्ध करा दिये गये हैं।
13. अजमेर–मारवाड़ खण्ड के मध्य सोजतरोड का समपार फाटक सं. 52 (सोजतरोड–बगड़ीनगर के बीच) अंतर्पार्शित किया जा चुका है।
14. घोसूंडा स्टेशन पर संरक्षा बढ़ाने हेतु ट्रेक सर्किट नं. 115/116/119 को दो ट्रेक सर्किट में विभक्त कर दिया है।
15. विश्वसनीयता बढ़ाने हेतु नई आईआरएस टाईप कॉटा मशीन द्वारा 5 पुरानी कॉटा मशीन गंगरार पर कॉटा सं. 118 डेट पर कॉटा संख्या 103 और 119, सोनियाना पर कॉटा सं. 117 और मनडपिया पर कॉटा संख्या 119) के स्थान पर बदली गई।

16. अजमेर –चित्तौड़गढ़ सेक्शन के 11 स्टेशनों के डाटा लॉगर में (डेट, गंगरार, सोनियाना, हमीरगढ़, मनडपिया, भीनवाड़ा, मोखमपुरा, सिंघवाल, बांदनवाड़ा, हटूंडी और नसीराबाद ब्लॉक यंत्र आईपीएस और बीपीएसी ..... रहित कान्टेक्ट डाले गए है।
17. चित्तौड़गढ़ –उदयपुर सेक्शन में समपार फाटक सं. 76 और समपार सं. 23, 32, 33, 43 एक्स, 1बी, 50, 51, 53, 71, 72, 74, 75 पर रोड प्रयोगकर्त्ता सिगनल के आरजी आस्पेक्ट के लिए सिगनल फ्लेशर सर्किट लगाए गए है।
18. मदार, लामाना, हरिपुर, गुड़िया पर 2वोल्ट, 120एम्पियर हावर की सेकेन्ड्री बैटरी द्वारा पोटा कैबिन की पुरानी वीआरएलए बैटरी को बदला गया।
19. 7 स्टेशनों पर9 9 खराब ग्लूड जोड़ों को बदला गया (आबूरोड–01, सरोत्रा रोड–01, फालना–01, स्वरूपगंज –01, बनास–01, केशवगंज–01, सोमेसर –01)
20. सिगनल पॉवर आपूर्ति की बैक अप क्षमता 24 ओवर एज/खराब सेकेण्ड्री बैटरियों को बदलकर बढ़ाई गई (चंडावल पर 4 वोल्ट/12एएच के 12 मारवाड़ जं. पर 2वी/4एएच के 06,, भूपाल सागर पर के 2वी/80एएच के 2, खिमेल पर के वी/300 एएच के 02 और देबारी पर के 2वी/80 एच के 2)
21. सोजतरोड और बगड़ीनगर पर बगड़ीनगर –सोजतरोड टोकन रहित ब्लॉक उपकरण के समस्त रिले, रिले टेस्टिंग जिग से टेस्ट किए गए और मदार–मारवाड़ जं. में 20क्यूएन–1, 8एफ/8बी रिले बदले गए।
22. अजमेर –पालनपुर सेक्शन में 19 स्टेशनों पर गोल्ड प्लेटिड मॉडिफाइड मॉडेम कार्ड बदले गए।
23. मदार–मारवाड़ सेक्शन में 5 स्टेशनों पर (जवाली, सोमेसर, भिनवालिया, बातारघुनाथगढ़ और आऊआ) 150 परंपरागत ईसीआर (क्यूई सीएक्स–51/52) को यूनिवर्सल एसी ईसीआर लाइट इमिटिंग डायोड से बदला गया।

1. समपार फाटक

1. मदार–पालनपुर सेक्शन के 3 समपार फाटक (समपार फाटक सं. 42 (मदार), 75 (रानी) और 160 (चित्रासनी) पर स्लाइडिंग बूम लगाए गए।
2. लिफ्टिंग बेरियर के ध्वस्त/विफलता के दौरान गाड़ियों के अतिरिक्त समय से बचाने हेतु 20 समपार फाटकों पर चेन अंतर्पाशन किया गया।
3. संरक्षा को बढ़ाने हेतु स्वरूपगंज –भीमाना के बीच समपार 112 पर स्विंग टाइप समपार फाटक को लिफ्टिंग बेरियर समपार फाटक से बदला गया।
4. ब्यावर में स्थित समपार फाटक सं. 26के तथा वहॉ स्थित गुमटी को फाटक वाले की सड़क की दृष्यता को स्पष्ट होने हेतु शिफ्ट किया गया।
5. मदार–मारवाड़ जं. में समपार फाटक सं. 43, 46,3,4,6,25, और 26 (07) पर सड़क चौड़ी हो जाने के कारण, बूम लंबाई विभागीय स्तर पर 10 मीटर तक बढ़ाई गई।
6. पुल के नीचे सड़क बनने के कारण 5 समपार फाटकों पर विभागीय स्तर पर सिगनल और दूर संचार केबलों की शिफ्टिंग की गई।
7. सिगनल वर्कशॉप अजमेर में नया मद स्लाईडिंग बूम बनाना आरंभ कर दिया गया है तथा 10 स्लाइडिंग बूम का मंडल का वितरण करा दिया गया है। वर्कशॉप में प्रति माह 10 स्लाईडिंग बूम बनाने की क्षमता विकसित कर ली है।

2. डाटा लॉगर

1. पूरे अजमेर मंडल पर समस्त डाटा लॉगर के लिए रिंग कनेक्शन के लिए डाटा लॉगर नेटवर्किंग हेतु 4 ओएफसी चैनल और 2बीएसएनएल चैनल लगाए गए है।
2. अजमेर मंडल पर मान्यकरण हेतु शेष 17 स्टेशनों के साथ समस्त 86 बीजी स्टेशन के डाटा लॉगर का मान्यकरण पूर्ण कर दिया है।
3. सभी डिजीटल इनपुट को कवर करने के लिए सराधना और भेसाना पर पर्याप्त क्षमता के डाटा लॉगर लगाकर पर्याप्त क्षकता के डाटा लॉगर को विभागीय स्तर पर बदल दिया है।
4. बी रूट पर 17 स्टेशन (जवाईबांध से करजोड़ा) के अतिरिक्त मंडल में बी तथा डी रूट के सभी स्टेशन की अपवर्जन रिपोर्ट को बनाना आरंभ कर दिया है।

5. अजमेर मंडल के स्टेशनों पर शेष 74 लिमिटिंग स्विचों को लगाकर डाटा लागर के द्वारा सभी खुले 86 स्टेशनों के रिले कक्ष को मॉनीटर किया जाता है।

6. अजमेर मंडल पर सभी स्टेशन डॉटा लॉगर में विभवरहित कांटेक्ट डालकर डाटा लॉगर के द्वारा आईपीएस और बीपीएसी से सुसज्जित समस्त बीजी स्टेशन अब डाटा लॉगर द्वारा मॉनिटर किए जाते हैं।

7. अजमेर–चित्तौड़गढ़ सेक्शन पर निर्माण विभाग द्वारा लगाए गए इएलडी अब कार्य करने हेतु चालू कर दिए हैं। अजमेर मंडल पर 20 स्टेशनों पर ईएलडी विभवरहित कांटेक्ट को डॉटा लॉगर में डाल दिए है।

3. आबूरोड पर लाइन नं. 4, 5 और 6 के विस्तार का कार्य पूर्ण हो गया है और सीएसआर को क्रमशः 118, 53 और 48 मीटर को विस्तार कर चालू कर दिया है।
4. आबूरोड और उदयपुर आरआरआई और मदार ईआर पर नए फायर अलार्म सिस्टम लगाए गए।
5. अजमेर – चित्तौड़ खंड के 6 समपार फाटकों को मानव सहित करने के कारण मेगनेटो फोन लगाये गये। (अजमेर –चित्तौड़ सेक्शन के समपार9 –33, 66 और 82 और चित्तोड़गढ़ उदयपुर सेक्शन के 45, 59 और 61)
6. कॉटा संचालन की विश्वसनीयता में बढ़ोतरी हेतु अजमेर मंडल के स्टेशनों के 44 पुरानी कॉटा मशीन बदली गई।
7. प्रका के निर्देशानुसार, ट्रेक सर्किटों की विश्वसनीयता बढ़ाने हेतु 14 ट्रेक सर्किटों में प्रत्येक को 2 ट्रेक सर्किटों में बॉटा गया है।
8. अजमेर मंडल पर बर से बगड़ी सज्जनपुर तक सबसीडिरी सिगनलों पर 130 एलइडी लगाए गए। (कालिंग ऑन, रूट इंडीकेटर और शंट सिगनल)
9. मंडल में 2018 अवधि पार/खराब सेकेण्ड्री बैटरियों को बदल कर सिगनल पावर आपूर्ति की बैकअप क्षमता बढ़ाई गई।

10. गढ़ीमालियान सहित अजमेर मंडल पर मदार–पालनपुर सेक्शन में सभी 57 स्टेशनों पर सीईएल कंपनी द्वारा निर्मित केएसएस डीएसी के रिले ड्राइव कार्ड और मॉडम को बदलने का कार्य पूर्ण किया गया।
11. 9 ब्लॉक सेक्शन के 18 पोदानूर वर्कशॉप द्वारा निर्मित ब्लॉक उपकरण की क्यू सीरीज रिले के कष्टप्रद/विफलता के कारण और कंपनी द्वारा निर्मित रिले से बदले गए और टीएलबीआई रिले की जॉच के लिए रिले टेस्ट जिग विस्तृत रूप से प्रयोग किया गया।
12. समपार –81 (फालना स्टेशन – खिमेल के मध्य) समपार –94, समपार –103 (सिरोही) और समपार –83 (डेट–चंडावल के मध्य) 4 स्थानों पर आठ सोलन पैनल लगाए गए।
13. मंडल पर 25 स्टेशनों पर ओम कम की अर्थ वैल्यू प्राप्त करने हेतु सिगनल अर्थ को कॉमन कर दिया है।
14. 88 स्टेशनों पर डायरेक्ट रखरखाव किया गया।
15. मंडल पर 248 खराब ग्लूड जोड़ों को बदला जा चुका है।
16. अजमेर मंडल पर कॉटे 22 लकड़ी के विन्यासों को पीआरसी स्लीपर विन्यास से बदला गया।
17. अजमेर मंडल पर वर्ष 98 और 99 वर्जन के 107 मुख्य आस्पेक्ट करेन्ट रेग्यूलेटरों को बदलकर नये करेन्ट रेग्यूलेटर लगाए गए।
18. प्रका के निर्देशानुसार सिगनलिंग सर्किट सुधार एलआर और यूसीआर सर्किट में समपार फाटक नियंत्रण हटाकर किया गया है और अनावश्यक गाड़ी के अवरोधन से बचने हेतु अब केवल अजमेर चित्तौड़ और चित्तौड़ – उदयपुर में एचआर में प्रयुक्त होता है।
19. मनडपिया और देबारी पर ट्रेक सर्किट का दोहरा डिटेक्शन का कार्य भोतिक रूप से पूर्ण हो गया है तथापि कार्य की समाप्ति मुख्यालय से इनटर लाकिंग स्कीम आने के बाद किया जायेगा।
20. दौराई पर अतिरिक्त पूरी लम्बी लाइन का कार्य लाइन नं. 4 के अंतिम सिरे से जोड़ते हुए विभागीयतौर पर पूर्ण कर लिया है और इंजीनियरिंग कार्य पूर्ण होने के पश्चात इसे चालू कर दिया जाएगा।
21. अजमेर–चित्तौड़गढ़–उदयपुर सेक्शन के 8 स्टेशनों पर पीपीटीसी फ्यूजों को सर्किटों की विश्वसनीयता बढ़ाने हेतु लगाया गया।
22. दि. 23.01.2012 को पुष्कर पर सिगनलिंग व्यवस्था व्यवस्थित की गई तथा माननीय मंत्री महोदय द्वारा यात्री सेवा का शुभारंभ किया गया।
23. वसेइंजी/सिग/डिपो पर अनुरक्षण स्टाफ के लिए इन हाउस प्रशिक्षण सुविधाओं को सेट अप निम्नानुसार किया गया है :–

वसेइंजी/सिग/अजमेर	पूरे सर्किट सहित कॉटा मशीन समपार फाटक, के साथ लैड सिगनल, ब्लॉक यंत्र एसजीई डबल लाइन और टीएलबीआई और रिले सर्किट डायग्नोसटिक।
वसेइंजी/सिग/सोजतरोड	एलईडी सिगनल,कॉटा मशीन पूरे सर्किट के साथ, टीएलबीआई और रिले डाग्नोस्टिक।

वसेइंजी / सिग / फालना	लेड सिगनल, पूरे सर्किट और टीएलबीआई के साथ कॉटा मशीन।
वसेइंजी / आबूरोड	एलईडी सिगनल और टीएलबीआई।
वसेइंजी / सिग / भीलवाड़ा	लेड सिगनल, पूरे सर्किट के साथ कॉटा मशीन, टीएलबीआई और रिले सर्किट डायग्नोस्टिक एलईडी
वसेइंजी / उदयपुर	एलईडी सिगनल

एलईडी सिगनल लाइट इमिटिंग डायोड सिगनल टीएलवीआई टोकन ब्लॉक इंन्ट्रूमेंन्ट।

अनुलग्नक

1. नया यूटीएस और पीआरएव लोकेशन दरगााह शरीफ दरगाह बुकिंग कार्यालय पर आरंभ किया गया है।
2. मारवाड़ जं. स्टेशन पर ट्रेक सर्किट नं. 125/127//128 टी को संरक्षा बढ़ाने की दृष्टि से दो ट्रेक सर्किटों में विभक्त कर दिया है।
3. विश्वसनीयता बढ़ाने हेतु 4 पुरानी कॉटा मशीन (सोमेसर पर कॉटा सं. 104, भीलवाड़ा पर कॉटा सं. 106, हटूंडी पर कॉटा सख्या 117 और 120) का नई आरआरएस टाइप मशीन लगाकर बदला गया।
4. 175 पुरानी/खराब सेकेन्ड्री बैटरियों को बदलकर सिगनल पावर आपूर्ति की बैक अप क्षमता में सुधार किया जा चुका है। (लामाना पर 55 नं. 2 बोल्ट/120 एएच, धारेश्वर और मारवाड़ जं. पर 20 नं. 2 बोल्ट/12 एएच, सोजतरोड पर 06 नं. 2 बोल्ट /40एएच, हरिपुर पर 13 नं., 2 बोल्ट/120 एएच, मारवाड़ जं. पर 15 नं. 2 बोल्ट/120 एएच, हिम्मतनगर पर 6 नं. 2 बोल्ट/300 एएच, सोनियाना पर 5 नं. 2 बोल्ट/40 एएच, हिम्मतनगर पर 55 नं. 2 बोल्ट/300 एएच)
5. 14 स्टेशनों पर 22 खराब ग्लूड जोड़ों को बदल दिया गया है। (किवरली 04, मोरथला 01, मावल 01, सरौत्रारोड 01, करजोड़ा 01, धारेश्वर 01, भिनवालिया 01, बातारघुनाथगढ़ 01, आउवा 01, मारवाड़ जं. 05, केशवगंज 01, नाना 01, जवाईबांध 01 और खिमेल 02)
6. उर्स मेले के कारण अजमेर रेलवे स्टेशन पर तीन यूटीएस और पीआरएस टर्मिनल लगाए गये।
7. उर्स मेले के कारण दौराई स्टेशन पर पीए सिस्टम लगाई गई और अजमेर स्टेशन के परिचलन क्षेत्र तक बढ़ाया गया।
8. राजसमंद पर एनआरएच पीआरएस को मल्टी पोइंट रूटर आधारित कनेक्टीविटी पर स्थानान्तरित/शिफ्ट किया गया।
9. गुलाबपुरा विजयनगर और बांदनवाड़ा –झड़वासा के बीच अतिरिक्त चैनल लगाकर गुलाबपुरा और विजयनगर पर रूट डायवरसिटी उपलब्ध करा दी गई है।
10. कॉपर केवल जोड़ी से ओएफसी पर अस्पताल एक्सचेंज और वर्कशॉप को मंडलीय एक्सचेंज तक अजमेर पर अंतर एक्सचेंज कनेक्टीविटी से जोड़ दिया गया है।

****